(पाठ्यक्रम)

एम.ए. पूर्व संस्कृत 2005-06 से प्रभावशील

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त मॉडल पाठयक्रम पर आधारित)

एम.ए. पूर्व (संस्कृत) में पाँच प्रश्न-पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र 100 अंको का होगा। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में पाँच इकाइयाँ होगीं। प्रश्न-पत्रों का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा। सभी प्रश्न-पत्र अनिवार्य है।

प्रथम प्रश्न-पत्र : वैदिक भाषा तथा साहित्य — पूर्णांक 100

इकाई–1 ऋग्वेद सूक्त
उषस् (1.48), इन्द्र (2.12), सवितृ (1.35), सरमा–पणि–संवाद (X.108), वाक् (X.125), हिरण्यगर्भ (प्रजापति) (X.121) 20

इकाई–2 शुक्लयजुर्वेद–सूक्त
पुरूषसूक्त (XXX 1.1–16), शिवशंकल्प (XXXIV.1-6)
अथर्ववेद–सूक्त
मेधाजननम् (1.1), स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् (III.4), राष्ट्रसभा (V11.12), पृथ्वी (XII.1), सर्पविषनाशनम् (V.13) 20

इकाई–3 ब्राह्मण तथा उपनिषद्
1. शतपथब्राह्मण (1.6.3.1-21) त्वष्टा के पुत्र विश्वरूप की कथा।
2. ईशावास्योपनिषद् (संपूर्ण)। 20

इकाई–4 निरुक्त
निरुक्त (प्रथम अध्याय) यास्क

इकाई–5 प्रातिशाख्य तथा शिक्षा
1. तैत्तिरीयप्रातिशाख्य – अध्याय प्रथम 10
2. पाणिनीयशिक्षा (संपूर्ण) 10

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. दि न्यू वैदिक सेलेक्सन–भाग–1 तैलुङ्गः एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी/दिल्ली।
2. अथर्ववेद संहिता।
3–पाणिनीयशिक्षा –डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय–विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी–1
4–तैत्तिरीयप्रातिशाख्य–डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय–विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक वाराणसी
5–अथर्ववेद सूक्त सङ्ग्रह तथा शतपथ ब्रह्मण डा. कमलाप्रसाद पाण्डेय–संतोष टायपिंग एण्ड ग्राफिक्स, जगमल चौक, बिलासपुर (छ.ग.)

द्वितीय प्रश्न पत्र : व्याकरण, भाषाविज्ञान, पालि तथा प्राकृत

पूर्णांक 100

इकाई–1 व्याकरण 20

कारकप्रकरण – सिद्धांतकौमुदी भट्टोजिदीक्षित।

इकाई – 2 भाषा विज्ञान 20

1. भाषा स्वरूप और उद्‌गम।
2. भाषाविज्ञान का क्षेत्र, अन्य ज्ञान–विज्ञान से संबंध।
3. ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनियों के गुण।
4. अर्थतत्व और संबंध तत्व।

इकाई – 3 भाषाविज्ञान 20

1. रूपविज्ञान।
2. भाषा का विकास, आकृतिमूलक वर्गीकरण।
3. भाषा, विभाषा, बोली, राष्ट्रभाषा।
4. लिपि और उसका इतिहास।
5. यूरोपीय परिवार – विशेषतः हिन्द–ईरानी शाखा, ईरानी और भारतीय की तुलना, वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत की तुलना, संस्कृत और प्राकृत की तुलना।

इकाई – 4 1. पालि – प्रवेशिका: पाठ – 1,3,5,6,10,12,30,31 (व्याख्या हेतु) 20

इकाई – 5 प्राकृत

1. प्राकृत – प्रवेशिका: पाठ – 1,2,3,14,20,24,25,29,30(व्याख्या हेतु)20

अनुशांसित ग्रन्थ –

1. पाणिनीय और सारस्वतीय पारिभाषिक संज्ञाओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. कमलांप्रसाद पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी / दिल्ली।
2. अष्टाध्यायी सहजबोध (खंड 1–2) डॉ. पुष्पा दीक्षित, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना।
4. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी।
5. पालि प्रवेशिका – डॉ. कोमलचंद्र जैन।
6. प्राकृत – प्रवेशिका डॉ. कोमलचंद्र जैन।

तृतीय प्रश्न – पत्र : दर्शन

पूर्णांक : 100

इकाई – 1	तर्कभाषा (अर्थापत्तिपर्यन्त) केशवमिश्र	30
इकाई – 2	सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण (व्याख्या के लिए)	20
इकाई – 3	वेदांतसार – सदानन्द (व्याख्या के लिए)	20
इकाई – 4	आलोचनात्मक प्रश्न	

सांख्यकारिका से 15

इकाई – 5 आलोचनात्मक प्रश्न
वेदान्तसार से 15
अनुशंसित ग्रंथ – सर्वदर्शन... संग्रह

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र

पूर्णांक : 10

इकाई – 1 चिंतक तथा, प्रमुख सिद्धांत–भरत, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, राजशेखर, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, पण्डितराज, जगन्नाथ । 20

इकाई – 2 नाट्य शास्त्र – भरतमुनि – प्रथम अध्याय 20

इकाई – 3 नाट्यशास्त्र–भरतमुनि– द्वितीय अध्याय 20

इकाई – 4 काव्य प्रकाश – मम्मट – प्रथम उल्लास 20

इकाई – 5 काव्य प्रकाश – मम्मट – द्वितीय उल्लास 20

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. स्वतन्त्रकलाशास्त्र (भाग 1–2) के.सी. पाण्डेय, वाराणसी।
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।
3. भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।

पंचम प्रश्न – पत्र : काव्य

पूर्णांक : 10

इकाई – 1 (क) मेघदूत (पूर्वमेघ) कालिदास–व्याख्या 15
(ख) मेघदूत कालिदास–आलोचनात्मक प्रश्न 10

इकाई – 2 (क) मृच्छकटिक - शूद्रक (अंक 1, 3,10, व्याख्या हेतु) 20
(ख) मृच्छकटिक–आलोचनात्मक प्रश्न सम्पूर्ण से 10

इकाई – 3 नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) श्री हर्ष (व्याख्या श्लोक 1 से 40 तथा 110 से अन्त तक. 20

इकाई – 4 रत्नावली नाटिका व्याख्या हेतु 15

इकाई – 5 आलोचनात्मक प्रश्न रत्नावली नाटिका अथवा नैषधीयचरित से 10

(पाठ्यक्रम)

एम.ए. अंतिम (संस्कृत) 2005-06

एम.ए. अंतिम (संस्कृत) में षष्ठ प्रश्न पत्र से लेकर दशम प्रश्न पत्र तक कुल पांच प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र में पांच इकाइयाँ होंगीं। षष्ठ प्रश्न पत्र अनिवार्य है। सप्तम प्रश्न पत्र से लेकर दशम प्रश्न पत्र हेतु (काव्यशास्त्र एवं सौंदर्य शास्त्र) का समावेश किया गया है। प्रश्न पत्र संस्कृत भाषा में रहेंगे।

षष्ठ प्रश्न पत्र (अनिवार्य)	**पूर्णांक**
''इतिहास तथा निबंध'' 100 अंक	
इकाई-1. रामायण, महाभारत एवं महाकाव्य	20 अंक
इकाई-2. गद्यकाव्य, नाटक एवं चम्पू	20 अंक
इकाई-3. कथा, आख्यायिका	20 अंक
इकाई-4. गीतिकाव्य	20 अंक
इकाई-5. निबंध लेखन संस्कृत भाषा में	20 अंक

नोट-इकाई क्रमांक 1 से 4 तक के लेखकों एवं ग्रंथों पर टिप्पणी भी प्रष्टतय है।

समूह - काव्यशास्त्र एवं सौंदर्य शास्त्र

सप्तम प्रश्न पत्र	**पूर्णांक**
ग्रंथ तथा चिंतक परंपरा	100 अंक
इकाई-1. रस, अलंकार, ध्वनि, गुण, तथा औचित्यविश्लेषण	20 अंक
इकाई-2. काव्यमीमांसा 1-3 (राजशेखर)	20 अंक
इकाई-3. काव्यमीमांसा 4-5 (राजशेखर)	20 अंक
इकाई-4. काव्यादर्श-दण्डी-प्रथम अध्याय कारिका 1 से 40 तक -व्याख्या	20 अंक
इकाई-5 औचित्य विचारचर्चा (क्षेमेन्द्र)	20 अंक

अनुशंसित ग्रंथ-

1. रस-सिद्धान्त - नगेन्द्र, दिल्ली
2. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका - नगेन्द्र, दिल्ली

अष्टम प्रश्न पत्र	**पूर्णांक**
रस ध्वनि सिद्धान्त	100 अंक
इकाई-1. काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास मम्मट	20 अंक
इकाई-2. काव्यप्रकाश-पञ्चम उल्लास, मम्मट	20 अंक
इकाई-3. काव्यप्रकाश सप्तम उल्लास (रसदोष तथा रसदोष परिहार)	20 अंक
इकाई-4. काव्यप्रकाश अष्टम उल्लास	20 अंक
इकाई-5 ध्वन्यालोक आनन्दवर्धन-प्रथम उद्योत	20 अंक

नवम प्रश्न पत्र	**पूर्णांक**
साहित्य सिद्धान्त	100 अंक
इकाई-1. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति प्रथम अधिकरण अध्याय प्रथम तथा द्वितीय - वामन	20 अंक
इकाई-2. काव्यप्रकाश नवम उल्लास मम्मट	20 अंक
इकाई-3. काव्यप्रकाश (मम्मट) दशम उल्लास से निम्नांकित अलंकार उपमा (भेदोपभेदरहित) अनन्वय, उपमेयोपमा, उत्प्रेक्षा, ससन्देह, रूपक, अपह्नुति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अतिशयोक्ति, दृष्टांत।	20 अंक
इकाई-4 काव्यप्रकाश -दशम उल्लास से निम्नांकित अलङ्कार दीपक, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विरोधाभास, व्याजस्तुति, भ्रान्तिमान्, संसृष्टि, संकर।	20 अंक
इकाई-5 साहित्य दर्पण-प्रथम तथा द्वितीय परिच्छेद	20 अंक

दशम प्रश्न पत्र		पूर्णांक
गद्यकाव्य, नाट्य शास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र		100 अंक
इकाई–1.	कादम्बरी–कथामुख– व्याख्या	30 अंक
इकाई–2.	कादम्बरी–कथामुख–आलोचनात्मक प्रश्न	10 अंक
इकाई–3	दशरूपक प्रथम प्रकाश	20 अंक
इकाई–4.	दशरूपक द्वितीय प्रकाश (नायिका भेद छोड़कर)	20 अंक
इकाई–5.	दशरूपक तृतीय प्रकाश	20 अंक

अनुशंसित ग्रंथ –

1. स्वतंत्रकलाशास्त्र (द्वितीय खण्ड, पाश्चात्य)

   के.सी. पाण्डेय, वाराणासी